उदासीनता | वार्ड 15 के निर्माण ने खड़े किए सवाल, रसूख का असर या प्रशासनिक उदासीनता?

नगर परिषद की गरीबों पर सख्ती, रसूखदारों पर नरमी

डिंडोरी, नवभारत 17 जून। नगर परिषद डिंडोरी क्षेत्र में अवैध निर्माणों को लेकर दोहरे मापदंडों के आरोप एक बार फिर चर्चा में हैं। शहर में जहां छोटे-छोटे अतिक्रमणों पर परिषद का अमला जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर तत्काल कार्रवाई करता दिखाई देता है, वहीं रसूखदारों द्वारा किए जा रहे पक्के निर्माणों पर नोटिसों का खेल चलता रहता है और निर्माण कार्य बेरोकटोक जारी रहता है।

ताजा मामला पुरानी डिंडोरी के वार्ड क्रमांक-15 का है। मंडला स्टैंड से कुछ दूरी पर मुख्य मार्ग स्थित अनाज गोदाम के सामने एक व्यक्ति द्वारा बड़े पैमाने पर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।

सात-सात फीट ऊंची दीवारें खड़ी कर दीं

स्थानीय लोगों के अनुसार संबंधित के पास पूर्व में लगभग 1000 से 1500 वर्गफीट भूमि का पट्टा था, जिसकी अवधि करीब डेढ़ से दो वर्ष पूर्व समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद अब लगभग 2500 वर्गफीट क्षेत्र में पक्का निर्माण किया जा रहा है और सात-सात फीट ऊंची दीवारें खड़ी कर दी गई हैं।

नोटिस के बाद मामला ठंडे बस्ते में

गौरतलब है कि लगभग एक वर्ष पूर्व भी इस मामले को लेकर नवभारत ने प्रशासनिक अमले का ध्यान आकर्षित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद परिषद के जिम्मेदार सक्रिय हुए और संबंधित को नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया और अब निर्माण कार्य फिर से तेज गति से जारी है।

बगैर एनओसी जारी है निर्माण कार्य

जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने संबंधित व्यक्ति से भूमि संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने तथा निर्माण की अनुमति से जुड़े अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा था। परिषद सूत्रों का कहना है कि अब तक न तो कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं और न ही निर्माण के लिए नगर परिषद से अनुमति ली गई है। इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है।

क्या रसूख के आगे बेबस हुए जिम्मेदार?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नोटिस की समयसीमा समाप्त हो चुकी है, दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं और अनुमति भी नहीं ली गई है, तो फिर परिषद कार्रवाई करने से आखिर क्यों बच रही है? शहर में चर्चा है कि संबंधित व्यक्ति का संबंध एक कांग्रेस पार्षद के परिवार से बताया जाता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं जरूर हैं।

ठोस कार्रवाई करनी चाहिए

शहरवासियों का कहना है कि यदि नियम सबके लिए समान हैं तो फिर परिषद को नोटिसों की औपचारिकता से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। अन्यथा यह संदेश जाएगा कि डिंडोरी में अतिक्रमण हटाने का पैमाना व्यक्ति की हैसियत और पहुंच देखकर तय किया जाता है।

सवाल जो जवाब मांग रहे हैं

पट्टा समाप्त होने के बाद निर्माण किस आधार पर किया जा रहा है? परिषद द्वारा मांगे गए दस्तावेज आखिर क्यों प्रस्तुत नहीं किए गए? दो-दो नोटिस और समयसीमा समाप्त होने के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या नियम केवल कमजोर और गरीब वर्ग के लिए ही लागू हैं? बहरहाल जिला प्रशासन को चाहिए कि शीघ्र ही इस मामले में सख्त कदम उठाये जाए।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे परसेल माल के ग्रामीण

▸ दो माह से ठप नल-जल योजना, समाधान नहीं हुआ

करंजिया, नवभारत 17 जून। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवरी रैयत, ग्राम पंचायत परसेल माल के ग्रामीण इन दिनों भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना पिछले एक से दो माह से पूरी तरह ठप पड़ी हुई है, जिसके कारण गांव के सैकड़ों लोगों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए कई बार शिकायतें और आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

दूरदराज के जल स्रोतों पर निर्भर

ग्रामीणों के अनुसार गांव में संचालित नल-जल योजना पहले सुचारू रूप से चल रही थी, लेकिन बोरवेल धंस जाने और मशीन खराब हो जाने के कारण पानी की आपूर्ति बंद हो गई। इसके बाद से ग्रामीणों को दूर-दराज के जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

सिलसिलेवार शिकायतों के बाद नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। यहां तक कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

चकाजाम की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नल-जल योजना चालू नहीं की गई और पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि प्रशासन की लगातार अनदेखी के चलते अब चक्काजाम जैसे बड़े आंदोलन की स्थिति बन रही है, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

सड़क समस्या को लेकर ग्रामीणों ने लगाई गुहार

▸ जनसुनवाई में 14 आवेदनों पर हुई सुनवाई

करंजिया, नवभारत 17 जून। जनपद पंचायत करंजिया में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई का आयोजन प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनपद पंचायत बजाग के एसडीएम अक्षय डिगरसे की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जहां ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान सबसे प्रमुख मुद्दा ग्राम झनकी (उड़ाझोरी) के ग्रामीणों द्वारा उठाया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनपद पंचायत सड़क की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया।

आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क खराब होने के कारण आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। इस संबंध में जनपद पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह उइके के समक्ष भी ग्रामीणों ने अपनी मांग रखी और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

तहसील की मांग पर गरमाई सियासत, लोगों ने रखा पक्ष

▸ पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तहसील बनाने की घोषणा की थी

चिल्हारी नवभारत 17 जून। उमरिया जिले के मानपुर विकासखंड में तहसील गठन को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। अमरपुर को तहसील बनाए जाने की मांग के बीच चिल्हारी क्षेत्र के लोगों ने अपना पक्ष मजबूती से रखा है।

क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि चिल्हारी लंबे समय से प्रशासनिक एवं व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, इसलिए तहसील का दर्जा चिल्हारी को मिलना चाहिए। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक सार्वजनिक मंच से कहा था कि चिल्हारी और अमरपुर के बीच का विवाद आपसी सहमति से सुलझा लो, फिर मैं तहसील बना दूंगा। इसके बावजूद वर्षों बीत जाने के बाद भी तहसील गठन का मामला लंबित है।

दर्जनों गांवों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है

चिल्हारी क्षेत्र की जनता का कहना है कि चिल्हारी पूर्व से ही राजस्व निरीक्षक मंडल मुख्यालय रहा है तथा आसपास के दर्जनों गांवों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी है। यहां बाजार, शासकीय संस्थान और आवागमन की सुविधाएं होने के कारण ग्रामीणों का आवागमन वर्षों से चिल्हारी की ओर रहा है। चिल्हारी सभी गांव का केंद्र बिंदु रहा है लोगों का तर्क है कि प्रशासनिक दृष्टि से भी चिल्हारी तहसील के लिए उपयुक्त स्थान है।

पूर्व में हुआ था जन आंदोलन

चिल्हारी को तहसील बनाने की मांग वर्षों पुरानी है। इसके लिए क्षेत्र की जनता ने पूर्व में धरना-प्रदर्शन और जन आंदोलन भी किया था। चिल्हारी राजस्व निरीक्षक मंडल एवं क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र होने के कारण लोगों ने इसे तहसील बनाने की मांग उठाई थी। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि उनकी मांग की अनदेखी हुई तो फिर से आंदोलन किया जा सकता है। यदि जल्द कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया तो चिल्हारी, इंदवार एवं आसपास के क्षेत्रों में आंदोलन की स्थिति बन सकती है।

इनका कहना है

चिल्हारी तहसील की मांग नई नहीं है। वर्षों से क्षेत्रवासी इसके लिए संघर्ष करते आ रहे हैं। यहां से आसपास के दर्जनों गांव जुड़े हुए हैं और अधिकांश राजस्व एवं व्यापारिक गतिविधियां चिल्हारी केंद्रित हैं। जनता की सुविधा को देखते हुए चिल्हारी को तहसील बनाया जाना चाहिए।'

विजय द्विवेदी, जनपद सदस्य

पूर्व में चिल्हारी में तहसील संबंधी व्यवस्थाएं शुरू होने से क्षेत्र की जनता में उम्मीद जगी थी। आज भी लोगों की अपेक्षा है कि चिल्हारी को पूर्ण तहसील का दर्जा मिले। यदि जनता की वर्षों पुरानी मांग की अनदेखी की गई तो क्षेत्र में जनआक्रोश बढ़ सकता है।'

प्रशांत सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता

तहसील की सुविधा दूर होने से महिलाओं, बुजुर्गों और ग्रामीणों को छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। चिल्हारी को तहसील बनाए जाने से क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। शासन को जनता की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लेना चाहिए।'

उर्मिला गुप्ता, क्षेत्रीय महिला प्रतिनिधि

मछुआरों को वितरित की लाइफ जैकेट

▸ एसडीएम बांधवगढ़ ने उमरार डैम का किया निरीक्षण

नवभारत उमरिया 17 जून। एसडीएम बाँधवगढ़ अम्बिकेश प्रताप सिंह ने उमरार डेम का निरीक्षण कर वहां संचालित मत्स्य समिति के मछुआरों से मुलाकात की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मछुआरों से शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, योजनाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं।

एसडीएम ने मछुआरों को जलाशय में कार्य करते समय सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल एवं गहरे जल क्षेत्रों में कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने मछुआरों को लाइफ जैकेट वितरित करते हुए निर्देश दिए कि वे नाव संचालन एवं मछली पकड़ने के दौरान अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनें।

छोटी सी सावधानी बड़े हादसों को टाल सकती है

उन्होंने कहा कि छोटी सी सावधानी बड़े हादसों को टाल सकती है। शासन का उद्देश्य मछुआरों की आजीविका के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। मछुआरों ने प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुरक्षा सामग्री के लिए आभार व्यक्त किया तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने का संकल्प लिया। निरीक्षण के दौरान मत्स्य विभाग से जी एस लाल एवं समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हितग्राहियों का किया पंजीयन, दी योजनाओं की जानकारी

▸ आकांक्षी विकासखंड मेहंदवानी में जनकल्याणकारी शिविर आयोजित

शहपुरा नवभारत 17 जून। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन 17 जून को जनपद पंचायत प्रांगण, मेहंदवानी में किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल स्थापित किए गए, जहां विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही पात्र हितग्राहियों का योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु पंजीयन एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी किया गया।

ग्रामीणों ने योजनाओं की जानकारी हासिल की- शिविर में उपस्थित नागरिकों को योजनाओं के संबंध में जानकारी देने के साथ-साथ जनपद पंचायत मेहंदवानी के पंजीयन काउंटर पर विभिन्न योजनाओं हेतु पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं हितग्राहियों ने शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा पंजीयन कराया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए पंजीयन एवं सेवाएं प्रदान की गईं।

52 हितग्राहियों का किया गया पंजीयन -पंचायत विभाग द्वारा 57, आधार कार्ड पंजीयन एवं सुधार कार्य 47 हितग्राहियों, समग्र ईकेवायसी कार्य 255, स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल, रक्तचाप (बीपी), शुगर, टीबी, नेत्र परीक्षण एवं गर्भवती महिलाओं सहित 109 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श एवं आयुष विभाग द्वारा 52 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है

अधिकारियों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है। आगामी दो दिनों तक भी शिविर में पंजीयन, परामर्श एवं योजनाओं संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी।

डीजल-पेट्रोल संकट गहराया, किसान परेशान

▸ क्षेत्र की अधिकांश आबादी कृषि पर आधारित है

चिल्हारी नवभारत 17 जून। मानपुर जनपद क्षेत्र में इन दिनों डीजल एवं पेट्रोल की गंभीर समस्या ने आमजन और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र की अधिकांश आबादी कृषि पर आधारित है और आगामी दिनों में खेती-किसानी का कार्य तेज होने वाला है। ऐसे समय में ईंधन की कमी किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। जानकारी के अनुसार मानपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित होने से किसानों को अपने कृषि कार्यों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों की जुताई, बुवाई, सिंचाई और कृषि यंत्रों के संचालन के लिए डीजल की आवश्यकता होती है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में ईंधन नहीं मिलने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं।

खेती का कार्य हो सकता है प्रभावित

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कृषि ही आजीविका का प्रमुख साधन है। बारिश का मौसम शुरू होने वाला है और किसान खेती की तैयारियों में जुटे हुए हैं। ट्रैक्टर, पंपसेट और अन्य कृषि उपकरण डीजल पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि समय पर डीजल उपलब्ध नहीं हुआ तो खेती का कार्य प्रभावित हो सकता है, जिसका सीधा असर किसानों की आय और उत्पादन पर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल की कमी से आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बचाव ही है सबसे बड़ा उपचार : डॉ. प्रजापति

चिल्हारी नवभारत 17 जून। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सांप, बिच्छू एवं अन्य जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ. शिव प्रजापति ने क्षेत्रवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। डॉ. प्रजापति ने बताया कि बारिश के मौसम में बिलों में पानी भर जाने के कारण सांप एवं अन्य विषैले जीव सुरक्षित स्थानों की तलाश में घरों, खेतों एवं आसपास के क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, झाड़ियों एवं कचरे को हटाएं तथा रात में बिना टॉर्च के बाहर नहीं निकलें। खेतों में कार्य करते समय जूते एवं पूरे कपड़े पहनकर ही जाएं।

साप के डसने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे

डॉ. प्रजापति ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को साप काट ले तो घबराने के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचें। झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार के भरोसे समय बर्बाद न करें। काटे गए स्थान पर चीरा लगाने, विष चूसने या अत्यधिक कसकर बांधने जैसी गलतियां नहीं करनी चाहिए। मरीज को शांत रखें और जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाएं, जहां आवश्यक उपचार एवं एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध कराया जाता है।

निरीक्षण | कलेक्टर ने मछली व मीट मार्केट एवं सब्जी मंडी का किया निरीक्षण

दुकानों को निर्धारित स्थान पर संचालित करें : भदौरिया

डिंडोरी, नवभारत 17 जून। जिले को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ मुलैया टोला बायपास रोड स्थित मछली एवं मीट मार्केट तथा प्रस्तावित सब्जी मंडी स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि मछली एवं मीट बाजार की सभी दुकानों को शहर से दूर निर्धारित स्थल मुलाया टोला में संचालित किया जाए। उन्होंने मीट मार्केट में पुताई, नियमित साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था तथा दुकानों पर क्रमांक अंकित करने के निर्देश दिए, जिससे व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नए सब्जी मंडी स्थल का भी निरीक्षण किया

कलेक्टर ने पुरानी डिंडौरी स्थित सब्जी मंडी के व्यापारियों के लिए रेस्ट हाउस के पीछे निर्धारित नए सब्जी मंडी स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को यहां विद्युत, पेयजल, समतल मैदान, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं वाहन पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर भदौरिया ने कहा कि मुख्य मार्गों पर लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित रूप से निर्धारित स्थानों पर संचालित किए जाने से यातायात व्यवस्था सुगम होगी। उन्होंने एसडीएम एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी सोमवार से सभी दुकानों का संचालन निर्धारित स्थलों पर सुनिश्चित किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले

बेटी की मौत को बीते दो महीने, पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

मंडला। जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक गंभीर मामला सामने आया है। जिसमें परिजनों का आरोप है कि घटना को दो महीने बीत चुका है, लेकिन पुलिस द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई या पूछताछ नहीं की गई है। शिकायती पत्र में प्रार्थी शिव बैरागी ने 24 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 29 मार्च को भूमिका का शव कुंभ स्थल पर रेत में दबा हुआ मिला था। हैरान करने वाली बात यह है कि उसी स्थान से कुछ ही दूरी पर मंगल नंदा नामक एक लड़के का शव भी फांसी पर लटका हुआ पाया गया था, जो कि 24 मार्च से अपने घर से गायब था। पीड़ित परिवार ने इस मामले में हत्या की गहरी आशंका व्यक्त की है। शिकायत के अनुसार स्थानीय लोगों के माध्यम से परिजनों को पता चला था कि 23 मार्च की रात करीब 9.30 बजे महाराजपुर निवासी मोहित राय नामक युवक नाबालिग लड़की को अपनी कार में बिठाकर ले गया था।

पनपथा गांव में देर रात सन्नाटे में धू-धू कर जला ट्रक

▸ लाखों रुपये के नुकसान का अंदेशा

चिल्हारी नवभारत 17 जून। इंदवार थाना क्षेत्र के बरही-मानपुर मार्ग एसएच-10 पर स्थित पनपथा गांव के हाई स्कूल के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 से 2:30 बजे एक छह चकिया ट्रक अचानक आग की लपटों में घिर गया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा ट्रक धू-धू कर जलने लगा।

हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है, जबकि चालक सुरक्षित है। जानकारी अनुसार कटनी का यह ट्रक कटनी से ब्यौहारी के टिहकी गांव की ओर जा रहा था। देर रात होने के कारण चालक ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर विश्राम करना उचित समझा और पास ही सो गया। इसी बीच अज्ञात कारणों से ट्रक में आग लग गई। जब तक चालक और आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले चुकी थी।

आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते कार्रवाई होने से आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से रोक लिया गया। घटना को और भी गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जिस स्थान पर ट्रक खड़ा था, उसके ठीक ऊपर 11 हजार केवी की विद्युत लाइन भी गुजर रही है। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या फिर इसके पीछे किसी असामाजिक तत्व की शरारत है।